Title-code: UPHIN-48963
E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

27,11,2024 बुधवार

संविधान की प्रतिज्ञा लेते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए सत्यनिष्ठा के साथ लिया गया संकल्प

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में हुआ संविधान दिवस का आयोजन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में संविधान दिवस का आयोजन किया गया संविधान एक ऐसा पवित्र ग्रंथ है जिससे हम पूरे जीवन भर जुड़े रहते हैं। संविधान ने ही हमको मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य दिए हैं तथा देश को विकसित बनाने में संविधान ऊर्जा देता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी में मुख्य अतिथि श्री बालकृष्णा एन रंजन, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश, सरकार द्वारा अपने मुख्य संबोधन में कही गई। श्री रंजन द्वारा यह भी बताया गया कि संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया था तथा बाद में इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। कार्यक्रम के आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा कहा गया कि संविधान को अंगीकार किए हुए 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में साल भर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कुल सचिव डॉ पी के उपाध्याय द्वारा बताया गया कि संविधान दिवस का मकसद नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रोत्साहित करना है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्य द्वारा बताया गया कि संविधान का उद्देश्य न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व की प्राप्ति है। कार्यक्रम का संचालन सहअधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ सर्वेश कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संविधान की प्रतिज्ञा लेते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए सत्यनिष्ठा के साथ संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग एवं संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 200 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

News Banner Maker

सीएसजेएमयू में मंगलवार को संविधान के संवैधानिक मूल्यों की स्थापना का संकल्प लेते छात्र और छात्राएं।

संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को रविदास नगर में बाबा साहेब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया।

संविधान की मूल भावना और महत्व समझाकर ली शपथ

सीएसजेएमयू और सीएसए समेत अन्य शैक्षणिक संस्थानों में हुए आयोजन

संविधान दिवस

कानपुर, हिन्दुस्तान टीम। सीएसजेएमयू, सीएसए कृषि विश्वविद्यालय समेत अन्य शैक्षणिक संस्थानों में 76वां संविधान दिवस मनाया। इस अवसर पर व्याख्यान हुए जिसमें संविधान की मूल भावना और महत्व को दर्शाया गया। प्रतियोगिताएं हुईं जिसमें विद्यार्थियों ने संविधान के प्रति अपनी समझ और रचनात्मकता को प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने संविधान की शपथ ली।

सीएसजेएमयू के फाइन आर्ट्स विभाग में रंगोली प्रतियोगिता हुई। 'संविधान का विकास', 'महिला सशक्तीकरण', 'संवैधानिक अधिकार एवं कर्तव्य' और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' जैसे विषयों पर आधारित रंगोलियां बनाईं। सीनेट हॉल में डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। यहां डॉ. ओम शंकर गुप्ता, प्रो. विभा दीक्षित रहे।

76 वां संविधान दिवस शैक्षणिक संस्थानों में मनाया गया।

विधि विभाग ने जागरूकता रैली निकाली : सीएसजेएमयू विधि विभाग ने जागरूकता रैली निकाली। मौलिक अधिकारों की छात्रों को जानकारी दी गई। प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार यादव, प्रो. नीरज सिंह, डॉ. शशिकांत त्रिपाठी ने रैली में हिस्सा लिया। यहां डॉ. श्याम मिश्रा, डॉ. सोनी गुप्ता, डॉ. उर्वशी, डॉ. अंशु सिंह, डॉ. स्नेह पांडे आदि मौजूद थे।

संविधान ग्रंथ है, हम ताउम्र जुड़े रहते हैं

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर सोमवार को संगोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि बालकृष्ण एन रंजन ने कहा कि संविधान ग्रंथ है, जिससे हम पूरे जीवन भर जुड़े रहते हैं। कुल सचिव डॉ. पीके उपाध्याय, डॉ. सीएल मौर्य, डॉ. राजीव, डॉ. सर्वेश कुमार, डॉ. मुक्ता गर्ग रहे।

संविधान राष्ट्र का विधान और है हमारा स्वाभिमान

डीबीएस कॉलेज गोविंद नगर के शिक्षक-शिक्षा (बीएड) विभाग ने संविधान दिवस पर संगोष्ठी हुई। विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार उपाध्याय ने कहा संविधान राष्ट्र का परम विधान ही नहीं बल्कि हमारा स्वाभिमान भी है। यहां प्रो. अलका सक्सेना, डॉ. नीलम श्रीवास्तव, डॉ. ममता सिंह, डॉ. दीपाली द्विवेदी, डॉ. पंकज अस्थाना आदि थे।

संविधान है भारतीय लोकतंत्र की आत्मा

चंद्रशेखर आजाद जन कल्याण समिति ने अंबेडकर पार्क, चुन्नीगंज में मंगलवार को संविधान दिवस पर संगोष्ठी की। अध्यक्ष सर्वेश कुमार पांडेय ने कहा कि संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है। इसमें सभी के लिए न्याय, सद्भाव की भावना है। यहां छेदीलाल, किशोरी लाल, मनीष सोनकर, अनिल त्रिपाठी, संदीप साहू आदि मौजूद थे।

संविधान शिक्षण अभियान चलाएगी सपा

सपा संविधान की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है। शिक्षण अभियान चलाएगी। यह फैसला महानगर के 15 फ्रंटल संगठनों और 88 वार्डों के संयोजकों की 26 नवंबर को संविधान दिवस पर बैठक में लिया गया। महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, आनंद शुक्ला, सत्यनारायण, फखरे आलम, महेंद्र सिंह, दीपक खोटे आदि रहे।

बाबा साहेब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

संत रविदास जन उत्थान सेवा संस्थान ने डॉ. अंबेडकर स्मारक स्थल एवं पार्क डॉक्टर अंबेडकर नगर विजय नगर में संगोष्ठी की। बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। संविधान की रक्षा का संकल्प लेकर बाबा साहेब के विचारों पर चलने को कहा मुख्य रूप से एसपी टेकला, राधेश्याम भारतीय, गुन्ना हजारिया, मास्टर राम रतन, विफन राम गौतम, सोहन भारती, शिवम सिंह आजाद, मनोज कुमार आदि थे।

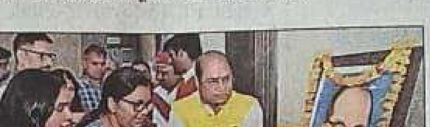

नवीन सभागार में विधायक व अन्य ने बाबा साहेब के चित्र पर किया माल्यार्पण।

नगर निगम कर्मियों को दिलाई शपथ

महापौर प्रमिला पांडे और नगर आयुक्त सुधीर कुमार गहलोत ने नगर निगम के कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कहा, संविधान से बड़ा देश में कोई नहीं है। अपर नगर आयुक्त मोहम्मद उवैस, सहायक नगर आयुक्त अनवर हुसैन, पार्षद पवन पांडे आदि मौजूद थे।

संवैधानिक मूल्यों की हो रही स्थापना

संविधान दिवस पर सरसैय्या घाट स्थित नवीन सभागार में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में संवैधानिक मूल्यों की स्थापना में विशिष्ट प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक सरोज कुरील ने कहा कि सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। डीएम राकेश कुमार सिंह ने कहा कि संविधान में निहित मूल्यों की स्थापना करना सभी का उद्देश्य होना चाहिए। सीडीओ दीक्षा जैन, परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण पीएन दीक्षित, जिला विकास अधिकारी भजेन्द्र प्रताप सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत सिंह, समाज कल्याण अधिकारी शिल्पी रहे।

बाबा साहेब को दी श्रद्धांजलि

सरसौल। संविधान दिवस पर सरसौल ब्लॉक में संविधान के प्रणेता डॉ भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गयी और संविधान पर चर्चा की गई। ब्लॉक प्रमुख डॉ. विजय रत्ना तोमर की अध्यक्षता में संविधान दिवस मना मुख्यमंत्री के सम्बोधन का सजीव प्रसारण किया गया। खण्ड विकास अधिकारी निशान्त राय व अन्य रहे।

सपा कार्यालय में मंगलवार को संविधान दिवस पर आयोजित बैठक में मौजूद सपाई।

केडीए में उद्देशिका का पाठन किया

केडीए में संविधान दिवस मना। अधिकारियों व कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। अमृतकाल के अवसर पर 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' की टैगलाइन से आयोजित किया गया। सामूहिक रूप से उद्देशिका का पाठन किया गया।

एक सूत्र में बांधता है संविधान

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के फिजियोलॉजी विभाग ने संविधान दिवस मनाया। एमबीबीएस बैच 2024 के छात्रों की वाद विवाद प्रतियोगिता भी हुई। शुभारंभ मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज कानपुर यूनिवर्सिटी के निदेशक डॉ शशिकांत त्रिपाठी व प्राचार्य डॉ संजय काला ने किया। फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ डोली रस्तोगी, उपप्राचार्य डॉ. रिचा गिरि, डॉ प्रमोद, डॉ संतोष बर्मन, डॉ समरजीत कौर, डॉ. सुनीति पांडेय, डॉ जयवर्धन सिंह, डॉ आशुतोष कुमार, डॉ प्रीति कनौजिया मौजूद रहीं। मेडिसिन विभाग के कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ एसी गुप्ता, डॉ बीपी प्रियदर्शी आदि रहे।

पुलिस कमिश्नर और जेसीपी ने दिलाई शपथ

पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार और अपर पुलिस आयुक्त हरीश चंदर ने संविधान दिवस के अवसर पर पुलिस अफसर व कर्मचारियों को संविधान की शपथ दिलाई। सभी ने संविधान के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्वों को निष्ठापूर्वक निभाने की प्रतिबद्धता जताई।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 156 कानपुर, बुधवार 27 नवम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

75 साल पूर्ण होने पर साल भर होगें कार्यक्रम

कानपुर । संविधान एक ऐसा पवित्र ग्रंथ है जिससे हम पूरे जीवन भर जुड़े रहते हैं। संविधान ने ही हमको मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य दिए हैं तथा देश को विकसित बनाने में संविधान ऊर्जा देता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी में मुख्य अतिथि बालकृष्णा एन रंजन विशेष सचिव उत्तर प्रदेश द्वारा अपने मुख्य संबोधन में कही गई। श्री रंजन द्वारा ने बताया, कि संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया था तथा बाद में इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। कार्यक्रम के आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा कहा कि संविधान को अंगीकार किए हुए 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में साल भर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कुल सचिव डॉ पी के उपाध्याय द्वारा बताया गया कि संविधान दिवस का मकसद नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रोत्साहित करना है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्य द्वारा बताया गया। इस अवसर पर संविधान की प्रतिज्ञा लेते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

गया कि संविधान का उद्देश्य न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व की प्राप्ति है। कार्यक्रम का संचालन सहअधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ सर्वेश कुमार द्वारा प्रस्तुत किया सत्यनिष्ठा के साथ संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग एवं संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 200 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
कानपुर, बुधवार 27 नवम्बर 2024 RNI UPHIN/2010/47220

सीएसए में हुआ संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । संविधान एक ऐसा पवित्र ग्रंथ है जिससे हम पूरे जीवन भर जुड़े रहते हैं। संविधान ने ही हमको मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य दिए हैं तथा देश को विकसित बनाने में संविधान ऊर्जा देता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी में मुख्य अतिथि श्री बालकृष्णा एन रंजन, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश, सरकार द्वारा अपने मुख्य संबोधन में कही गई। श्री रंजन द्वारा यह भी बताया गया कि संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया था तथा बाद में इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। कार्यक्रम के आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा कहा गया कि संविधान को अंगीकार किए हुए 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में साल भर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कुल सचिव डॉ पी के उपाध्याय द्वारा बताया गया कि संविधान दिवस का मकसद नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रोत्साहित करना है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्य द्वारा बताया गया कि संविधान का उद्देश्य न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व की प्राप्ति है। कार्यक्रम का संचालन सहअधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ सर्वेश कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संविधान की प्रतिज्ञा लेते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए सत्यनिष्ठा के साथ संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग एवं संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 200 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

रहस्य
कार्यक्रम
,विज्ञापन,
प्ति आदि
ाए संपर्क
रें:-
32483

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-329 बुधवार, 27 नवंबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकाशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ-4 मूल्य-

सीएसए में हुआ संविधान दिवस का आयोजन

अनवर अशरफ

संविधान एक ऐसा पवित्र ग्रंथ है जिससे हम पूरे जीवन भर जुड़े रहते हैं। संविधान ने ही हमको मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य दिए हैं तथा देश को विकसित बनाने में संविधान ऊर्जा देता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी में मुख्य अतिथि श्री बालकृष्णा एन रंजन, विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश, सरकार द्वारा अपने मुख्य संबोधन में कही गई। श्री रंजन द्वारा यह भी बताया गया कि संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया था तथा बाद में इसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। कार्यक्रम के आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार द्वारा कहा गया कि संविधान को अंगीकार किए हुए 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में साल भर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कुल सचिव डॉ पी के उपाध्याय द्वारा बताया गया कि संविधान दिवस का मकसद नागरिकों को संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रोत्साहित करना है। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ सी एल मौर्य द्वारा बताया गया कि संविधान का उद्देश्य न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व की प्राप्ति है। कार्यक्रम का संचालन सहअधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ राजीव द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ सर्वेश कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर संविधान की प्रतिज्ञा लेते हुए राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए सत्यनिष्ठा के साथ संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर मुक्ता गर्ग एवं संकाय सदस्यों के साथ-साथ लगभग 200 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।